**Seventeenth Loksabha**

>

Title: Regarding division of Uttar Pradesh State

**श्री मलूक नागर (बिजनौर):** श्री बाबा साहेब ने वर्ष 1955 में उत्तर प्रदेश का आकलन करते हुए कि लोग 22 करोड़ हो जाएंगे, उत्तर प्रदेश को तीन भागों में बांटने की शुरुआत की थी । वर्ष 2012 में कुमारी बहन मायावती जी ने चीफ मिनिस्टर रहते हुए, उत्तर प्रदेश को चार भागों में बांटने के लिए सेंट्रल गवर्मेंट को प्रस्ताव भेजा था ।

मैं यह कहना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश के लोगों की खुशहाली के लिए, लोगों के हित के लिए और लोगों को हाई कोर्ट तथा अन्य सुविधाओं के लिए उत्तर प्रदेश को चार टुकड़ों में बांटा जाए । दिल्ली सरकार ने वर्ष 1953 में पश्चिमी उत्तर प्रदेश को ग्रेटर दिल्ली में मिलाने के लिए एक प्रस्ताव रखा था । उस समय श्री ब्रह्म प्रकाश चौधरी जी मुख्यमंत्री थे ।

महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश को चार भागों में बांटा जाए, खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग किया जाए, जिससे दलितों, पिछड़ों और अकलियतों को भी मुख्यमंत्री बनने का मौका मिले । पिछले दिनों राजस्थान में कांग्रेस सरकार ने पिछड़ी जातियों खासकर गुर्जर समाज के साथ अन्याय किया है, अगर आने वाले दिनों में पश्चिमी उत्तर प्रदेश अलग बन जाए, तो पिछड़े वर्ग में से खासकर गुर्जर समाज का मुख्यमंत्री बनने का सपना पूरा हो सकेगा । आपसे अनुरोध है कि उत्तर प्रदेश को चार भागों में बांटने की मेहरबानी की जाए ।

माननीय अध्यक्ष : श्रीमती संगीता आज़ाद और श्री संजय काका पाटील को श्री मलूक नागर द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

श्रीमती डॉ. भारती प्रवीण पवार जी ।

माननीय सदस्यगण, जहां भी बैठे हुए हों, चाहे राज्य सभा या गैलरी में कहीं भी बैठे हों, वे वहीं से हाथ उठा कर बोल दें, ताकि वे ध्यान में आ जाएं ।